RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : गुरुवार 16 नवंबर 2023 वर्ष 05 अंक 205 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

सीएम पर जब-जब संकट !

अजित पवार को होता है डेंगू...

रामदास कदम ने कसा तंज !

मुंबई : मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट के सीनियर नेता रामदास कदम इन दिनों अपने बयानों को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। अपने ही दल के सांसद गजानन कीर्तिकर से दो-दो हाथ करने के बाद अब उन्होंने महायुति सरकार में शामिल राकां के डिप्टी सीएम अजित पवार गुट पर निशाना साधा है। उन्होंने छोटे पवार को आड़े हाथों लेते हुए कहा है कि जब-जब सीएम एकनाथ शिंदे संकट में होते हैं, अजित को डेंगू हो जाता है।

कदम ने कहा कि हाल ही में जब मनोज जरांगे पाटिल ने मराठा आरक्षण को लेकर आमरण अनशन शुरू किया और इस मुद्दे को सुलझाने की बड़ी चुनौती थी। ऐसे समय में डिप्टी सीएम अजित पवार की भूमिका बड़ी हो सकती थी। लेकिन उन्हें डेंगू हो गया।

अजित की मंशा पर सवाल

इस तरह का बयान देकर कदम ने एक तरह से अजित पवार की मंशा को लेकर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। हाल के दिनों में मराठा आरक्षण को लेकर मांग तेज होने लगी तो अजित पवार अचानक मंत्रालय से गायब हो गए थे। वहीं उन्होंने कैबिनेट की बैठक में भी भाग नहीं लिया था। बाद में उनकी पार्टी के सीनियर नेता प्रफुल्ल पटेल ने डिप्टी सीएम के डेंगू से पीड़ित होने की बात कही थी।

संभल कर बोले कदम : सूरज चव्हाण

रामदास कदम की आलोचना पर अजित पवार गुट ने भी पलटवार किया है। पार्टी नेता सूरज चव्हाण ने कहा कि डिप्टी सीएम के बारे में बोलने के लिए रामदास कदम बड़े नेता नहीं हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि कदम को संयम के साथ बोलना चाहिए, नहीं तो इसके खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ सकता है। पवार परिवार ने महाराष्ट्र में सांस्कृतिक संरक्षण का काफी काम किया है। सभी राजनीतिक मतभेदों को भुलाकर खुशी-खुशी एक साथ आना हमारी संस्कृति है। चव्हाण ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि रामदास कदम जैसा वरिष्ठ नेता इसे राजनीतिक रंग देने का काम कर रहा है। चव्हाण ने कदम को सलाह दी कि पवार परिवार और अजित पवार उनकी समझ से परे हैं, उन्हें उतना ही बयान देना चाहिए जितना वह समझते हैं। अन्यथा वे मुसीबत में घिर सकते हैं।

अजित दादा की राजनीति पर भरोसा नहीं

रामदास कदम ने कहा कि जिस तरह से उपमुख्यमंत्री अजित पवार के फैसले होते हैं। ऐसे में उन पर कोई भरोसा नहीं किया जा सकता है। उपमुख्यमंत्री बनने के बाद अगर आप राकां अध्यक्ष शरद पवार से मिलते हैं यह हम समझ सकते हैं लेकिन इन दिनों जो चल रहा है। यह समझ से बाहर है। वहीं आखिर बार-बार अजित दादा को गुस्सा क्यों आ जाता है, उनके विधायक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ मराठा आरक्षण की मांग को लेकर प्रदर्शन करते हैं। यह भी एक बड़ा विरोधाभास है।

एक दशक बाद यारी रोड पर ब्रिज बनाने की फिर शुरू हुई योजना

16 करोड़ से बढ़कर खर्च पहुंचा 42 करोड़ पहुंच गया...

मुंबई : वर्ष 2012 में पश्चिम उपनगर के अंधेरी स्थित यारी रोड के लोखंडवाला जंक्शन से ब्रिज बनाकर जोड़ने का निर्णय लिया गया था। दस साल तक ब्रिज का निर्माण कार्य नही हो सका था। मनपा अब 2023 में फिर एक बार ब्रिज के निर्माण करने का निर्णय लिया है। ब्रिज के निर्माण पर 2012 में 16 करोड़ खर्च होने वाला था जो अब बढ़कर 42 करोड़ पहुंच गया है। उल्लेखनीय है कि मनपा ने अंधेरी के यारी रोड से लोखंडवाला बैंक रोड तक एक ब्रिज बनाने का निर्णय मनपा ने 2012 में लिया था।यारी रोड में क्रीक को पार कर लोखंडवाला आने के लिए 35 से 45 मिनट का समय लगता है।ब्रिज के बन जाने के बाद यह साम्य मात्र 10 मिनट का समय लगेगा। ब्रिज का निर्माण पर दस साल लग गए। मनपा ने इस सप्ताह ब्रिज के निर्माण को लेकर टेंडर निकाला है।ब्रिज के निर्माण पर 42 करोड़ रुपया खर्च होने की संभावना जताई गई है।अंधेरी लोखंडवाला को यारी रोड के बीच खाड़ी दूरी अब तक रखी थी।इस दूरी को मनपा अब कम करने का निर्णय लिया है।खड़ी पर 100 मीटर चौड़ा सड़क से ब्रिज तक की दूरी 160 मीटर होगी। खड़ी के बीच की दूरी ब्रिज के निर्माण से दूर होगी।मनपा द्वारा तैयार किया जा रहा ब्रिज वाय सेफ में होगा।

भाई अजित पवार के घर बारामती पहुंचीं सुप्रिया सुले, परिवार साथ मनाया 'भाऊ बीज'

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र की राजनीति ने जुलाई के महीने में तब करवट बदली जब एनसीपी चीफ शरद पवार के भतीजे अजित पवार ने बगावत कर शिवसेना-बीजेपी की सरकार को ज्वाइन कर लिया. हालांकि दिवाली पड़वा और भाईदूज (भाऊ बीज) पर पवार परिवार एकबार फिर एक छत के नीचे जुटा है. बारामती में शरद पवार के घर पूरे परिवार का जमावड़ा लगा और अब बुधवार को भाईदूज का त्योहार अजित पवार के घर मनाया गया. शरद पवार और उनकी बेटी सुप्रिया सुले समेत परिवार के अन्य सदस्य बुधवार को भाऊ बीज मनाने के लिए महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार के पुणे जिले के बारामती स्थित

आवास पहुंचे. अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार, उनके बेटे पार्थ पवार और जय पवार के साथ-साथ पवार परिवार के अन्य सदस्य बारामती के काटेवाड़ी इलाके में स्थित डिप्टी सीएम के आवास पर एकत्र हुए.

भाई के साथ सुप्रिया सुले ने मनाया भाई दूज

हर साल, पवार परिवार के सदस्य दिवाली के दौरान बारामती में भाई दूज या ह्यभाऊ बीजह्न मनाने के लिए एक साथ आते हैं. अजित पवार के राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) से अलग होने और बीजेपी और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना से हाथ मिलाने के बाद यह परिवार की पहली दिवाली है. उधर, दिवाली पड़वा पर अजित पवार के शरद पवार के घर ना जाने की खबरें आ रही थीं, जिसके बाद सुप्रिया सुले ने कहा था कि वह डेंगू पीड़ित हैं इसलिए नहीं आए. हालांकि देर शाम उन्हें शरद पवार के घर देखा गया और खुद सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया पर परिवार की तस्वीर भी शेयर की. बता दें कि अजित पवार ने शरद पवार (82) द्वारा स्थापित एनसीपी और उसके चुनाव चिह्न पर दावा करते हुए निर्वाचन आयोग का रुख किया है.

मामूली विवाद में शख्स को चलती ट्रेन से फेंका... सिर में आई गंभीर चोट

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के लातूर में छोटे से विवाद के चलते शख्स को चलती ट्रेन बाहर फेंक दिया गया. घटना में शख्स गंभीर रूप से घायल हो गया. उसके सिर, हाथ और पैर सहित अन्य जगहों पर गंभीर चोट आई है. उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है. घटना के दौरान युवक की पत्नी और दो बच्चे भी साथ थे. पत्नी ने चेन खींच कर ट्रेन को रोका था. आरपीएफ ने केस दर्ज कर लिया है. मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है. दरअसल, बालाजी दिगंबर जानोले अपनी पत्नी मुक्ता जानोले और दो बच्चों के साथ छत्रपति संभाजी नगर से हैदराबाद जाने वाली

ट्रेन में सवार हुआ था. ट्रेन पर लातूर जिले के हेर रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो बालाजी का खाना बेचने वाली शख्स से किसी बात पर विवाद हो गया. उस आदमी ने बालाजी को चलती ट्रेन से धक्का दे दिया. इसके बाद कोच में हंगामा हो गया. घबराई हुई पत्नी मुक्ता ने आनन-फानन में ट्रेन की चेन खींची और ट्रेन रुक गई. वह अपने बच्चों को लेकर नीचे उतरी तो देखा कि पति बालाजी गंभीर रुप से घायल हुआ ट्रैक के साइड में पड़ा हुआ है. घटना की जानकरी हेर आरपीएफ टीम को मिली. उन लोगों ने बालाजी दिगंबर जानोले को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया. बालाजी को सिर, हाथ, पैर सहित शरीर के दूसरों अंगों पर चोट आई है.

संपादकीय / लेख

हिमाचली पादुका को इंतजार...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

हिमाचल के लापचा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आगमन व सैनिक शिविर में दिवाली का उत्साह सांझा करना, देश के प्रति कत्र्तव्य की एक सुनहरी याद है। सीमांत क्षेत्रों में असामान्य परिस्थितियों में तैनात सैन्य कर्मियों से रूबरू होने की परंपरा में, प्रधानमंत्री का दौरा राष्ट्रीय घटनाक्रम है, लेकिन कमोबेश ऐसी ही परिस्थितियों में हिमाचल के भी कई गांव और काम अपने हिस्से की दुरुहता बटोरते हैं। ऐसे में भले ही प्रधानमंत्री का यह दौरा संवेदनशील व सामरिक महत्त्व की प्रतीक्षा को आश्वस्त और सुरक्षा की समीक्षा करता हो, लेकिन प्रदेश हर रास्ते पर अपनी पादुकाएं बिछाए न जाने कब से उनका इंतजार कर रहा है। जब से हिमाचल में डबल इंजन सरकार नहीं रही, पर्वतीय प्रदेश के लिए पीएमओ का व्यवहार और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं का सरोकार बदल गया है। लापचा कई मायनों में राष्ट्रीय शक्ति का प्रतीक है, लेकिन यहां पारिस्थिकीय स्थिति हिमाचल की विडंबनाओं को भी दशार्ती है। बेशक सीमांत क्षेत्रों के गांवों तक भारत सरकार रोड नेटवर्क को सशक्त कर रही है, लेकिन ऊंचे पहाड़ों से निकलती मौसमी आफत ने हमेशा ही देश के इस भूभाग को डराया है। इस बार की बरसात ने अपनी त्रासदी के भयंकर खंजर हमें दिए हैं, लेकिन दिल्ली से न कोई माकूल चिट्ठी और न ही संदेश आया।

अब भी हमारी दरख्वास्तें, लोगों की चीखें, खेत-बागीचों की बबार्दी का आलम, टूटते पुलों और गायब होती सडक की कहानियां केंद्र को अपनी व्यथा सुना रही हैं, लेकिन व्यथा का यह परिदृश्य वहां दिखाई नहीं दिया। लापचा को सरहद पर देखना देशहित का कार्य है, तो लापचा को हिमाचल में देखना भी तो जरूरी है। लापचा में हिमाचल की भी नब्ज टटोली जा सकती थी क्योंकि सीमा की रक्षा में हर दिशा में हिमाचली रक्त भी बहता है। दुश्मन की हर सरहद पर शहादतों का आंकड़ा हिमाचल के हिस्से से लगभग तीस प्रतिशत जोड़ता है, तो इस बहादुरी का अर्थ प्रदेश से मुलाकात करा सकता है। कभी यही किस्से प्रधानमंत्री हिमाचल आकर सुनाते थे। तब सिद्धू भी गर्व महसूस करता था और कांगड़ा की चाय भी रंग जमाती थी। तब हिमाचली संदर्भों की उड़ान वाकई आसमान पर थी, तो क्या अब प्रदेश ने कोई गलती कर दी। क्या जिस जनता के कसीदे तब प्रधानमंत्री कभी मंडी या कभी शिमला में पढ़ा करते थे, वह अब दोषी हो गई। प्रदेश भाजपा की सत्ता से फिसल कर कांग्रेस को क्या मिला, दोषी जनता और जनता के सरोकार हो गए। वे तमाम नदियां दोषी हो गईं जो हिमाचली दर्द को बटोर कर देश के बड़े बांधों के जरिए मैदानी इलाकों को सींचती या बिजली पैदा करके भविष्य को निरंतरता के साथ रोशन करती रही हैं। क्या वे सारी धामें, खाद्य व्यंजन, उपज, तरक्की और राष्ट्र के प्रति हिमाचल का समर्पण भी दोषी हो गया। क्या प्रधानमंत्री के इंतजार में बिछाई गई पादुकाएं सियासी हो गईं या प्राकृतिक आपदा में हिमाचल के आंसू अब बेमतलब हो गए।याद करें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनाव से पूर्व दर्जन भर दौरे, संबोधन और आश्वासन जो हमारे हर सूर्योदय में शरीक होते थे, लेकिन अब लगता है कि सियासी ग्रहण से ओतप्रोत भावनाएं, भाव भंगिमाएं दिखा रही हैं। क्या कमाल है देश का संघीय ढांचा और लोकतंत्र का लबादा कि हर हिसाब-किताब, दर्द और इम्तिहान भी चुनावी या सियासी हो गया। क्या सुक्खू सरकार अवैध है कि प्रधानमंत्री अपने रिश्तों की फेहरिस्त भूल गए या हमारा दर्द फर्जी है जो मानवीय चीखें दिल्ली में हार गईं। ऐसे में हिमाचल भाजपा या भाजपा के नेताओं से क्यों न पूछा जाए कि प्रदेश के संघर्ष में उनकी भूमिका आखिर अब है कहां।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

गुस्साए मराठों का फैसला... छगन भुजबल को नहीं देंगे वोट

मुंबई : मराठा आरक्षण का नेतृत्व मनोज जरांगे को देने का फैसला पूरे मराठा समुदाय के समर्थन से लिया गया है। मुंबई में मराठा आरक्षण अधिकार सम्मेलन (हक्क परिषद) में इस संबंध में प्रस्ताव लिया गया है। इसके साथ ही मराठा समुदाय को आरक्षण देने पर विरोधी रुख अपनाने वाले मंत्री छगन भुजबल को भी वोट नहीं देने का फैसला किया गया है। इसलिए वकील गुणरत्न सदावर्ते के बहिष्कार का भी संकल्प लिया गया है। इस अवसर पर बोलते हुए, गंगाधर कालकुटे ने एक बयान में कहा कि मराठा आरक्षण अधिकार सम्मेलन आयोजित करने का कारण यह है कि ओबीसी नेता इस समय प्रतिवाद निकाल रहे हैं। साथ ही मराठा आरक्षण कैसे मिलेगा इस पर भी इस सम्मेलन में चर्चा होगी। ऐसे प्रस्ताव इस मौके पर मराठा आरक्षण को लेकर भी पारित किया जाएगा।

साथ ही इस वक्त जानकारी दी गई है कि आंदोलन का नेतृत्व मनोज जरांगे को देने का फैसला भी इस मराठा आरक्षण अधिकार परिषद में लिया गया है। साथ ही मराठा आरक्षण को लेकर भी अधिकार परिषद ने सरकार से मांग की है कि जाति-वार गणना होनी चाहिए ताकि मराठा समुदाय के सटीक आकार का एहसास हो सके।

कुछ प्रमुख प्रस्तावों पर मुहर

अब से मराठा आरक्षण के लिए आंदोलन का नेतृत्व मनोज जरांगे करेंगे।

कुनबी प्रमाण पत्र देकर या ओबीसी से आरक्षण दिया जाए। साथ ही आबादी के हिसाब से आरक्षण दिया जाना चाहिए।

अब तक आरक्षण कैसे दिया गया, इस पर सरकार को श्वेत पत्र जारी करना चाहिए।

ओबीसी आरक्षण की दोबारा जांच होनी चाहिए।

हम मराठा-ओबीसी विवाद पैदा करने वाले छगन भुजबल को वोट नहीं देंगे, हम उनका और वकील सदावर्ते का बहिष्कार कर रहे हैं। सदावर्ते दो समाजों में दरार पैदा कर रहा है।

1994 में शरद पवार ने ओबीसी समुदाय को आरक्षण दिया। उस समय उन्होंने यह निर्णय किस आधार पर लिया? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके मित्र हैं, उन्हें अपनी मदद से मराठा समाज को आरक्षण देना चाहिए।

जातिवार जनगणना होनी चाहिए। एहसास होगा कि मराठा समाज कितना बड़ा है।

मराठा आरक्षण के लिए आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों पर दर्ज मामले वापस लिए जाएं।

नेशनल हाईवे पांच तीसरे दिन भी यातायात के लिए अवरूद्ध,

पहाड़ी से लगातार हो रहा भूस्खलन

किन्नौर जिले के नाथपा में नेशनल हाईवे पांच पर तीसरे दिन भी वाहनों के पहिये थमे रहे। पहाड़ी से भूस्खलन और चट्टानें गिरने से सामरिक महत्व का नेशनल हाईवे-5 सोमवार शाम से बंद पड़ा है। सड़क का करीब 200 मीटर हिस्सा मलबे में दब गया है। जिला किन्नौर के तीनों खंडों सहित काजा और लाहौल-स्पीति की ओर जाने वाले यात्रियों को दिक्कतें पेश आ रही हैं। एनएच बाधित होने के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं।

मार्ग बाधित होने के कारण कल्पा, निचार और पूह सहित काजा और लाहौल स्पीति की ओर छोटे और बड़े वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से ठप पड़ी हुई है। हालांकि पानवी-प्लींगी-निचार वैकल्पिक मार्ग से केवल छोटे वाहनों की आवाजाही हो पा रही है। हजारों लोग छोटे वाहनों में करीब साढ़े छह किलोमीटर का अतिरिक्त सफर तय कर रहे हैं। खस्ताहाल इस सड़क पर छोटे वाहन जोखिमों भरा सफर तय कर रहे हैं। वहीं नेशनल हाईवे प्राधिकरण ने बाधित नेशनल हाईवे को बहाल करने के लिए मौके पर तीन जेसीबी मशीनें और 15 मजदूर तैनात किए हैं। पहाड़ी से लगातार हो रहे भूस्खलन के कारण मार्ग बहाल करना चुनौती से कम नहीं है। उधर, नेशनल हाईवे प्राधिकरण रामपुर के एक्सईएन केएल सुमन ने बताया कि बाधित नेशनल हाईवे को बहाल करने का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। पहाड़ी से बार-बार भूस्खलन के कारण मार्ग बहाली का कार्य प्रभावित हो रहा है। जल्द एनएच को बहाल कर दिया जाएगा।

ठाणे में बिना अनुमति के पटाखे बेचना पड़ा भारी...

2 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी शहर में बिना अनुमति के पटाखे बेचने के आरोप में पुलिस ने मंगलवार को दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। शांतिनगर पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि एक पुलिस गश्ती दल ने सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात के दौरान दोनों को बधवाड पाइपलाइन मार्ग पर खुले में पटाखे बेचते देखा। आरोपियों की पहचान बनारसीलाल मोतीलाल गुप्ता (40) और सुनील कुमार जायसवाल (37) के रूप में हुई है और उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 188 (लोक सेवक द्वारा विधिवत आदेश की अवज्ञा) और 336 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाला कार्य), विस्फोटक अधिनियम और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा, ह्यह्यअभी तक उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : गुरुवार 16 नवंबर 2023

मुंबई में दुकान में लगी आग, बगल की इमारत से पांच लोगों को बचाया गया

मुंबई : मुंबई के भायखला इलाके में बुधवार सुबह दो मंजिला दुकान में आग लगने के बाद पास की इमारत से कम से कम पांच लोगों को बचाया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भायखला पश्चिम इलाके में शकील स्ट्रीट पर स्थित दुकान में आग सुबह करीब 7.20 बजे लगी, लेकिन घटना में फिलहाल किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। अधिकारी के मुताबिक, आग से दुकान में रखे जूते, चमड़े का सामान, कपड़े और घरेलू सामान के अलावा बिजली के तार व बोर्ड जलकर खाक हो गए। उन्होंने बताया कि आग लगने की सूचना मिलने पर अधिकारियों ने दमकल की कम से कम नौ गाड़ियां मौके पर भेजीं। अधिकारी के अनुसार, घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने बगल की दो मंजिला इमारत में फंसे पांच लोगों को बचा लिया।

महाराष्ट्र में अब तक 172 चीनी मिलों को पेराई लाइसेंस का वितरण

कोल्हापुर: कोल्हापुर, सांगली और सतारा जिले के कुछ हिस्से को छोड़कर राज्य के बाकी हिस्सों में पेराई सीजन ने रफ्तार पकड़ ली है। कोल्हापुर, सांगली और सतारा जिलों में स्वाभिमानी शेतकरी संगठन, शेतकरी संगठन, आंदोलन अंकुश और रघुनाथदादा पाटील के शेतकरी संगठन द्वारा शुरू किए गए आंदोलन के कारण, पेराई प्रक्रिया बहुत धीमी गति से चल रहा है। राज्य में 13 नवंबर तक 103 चीनी मिलों ने 35 लाख टन गन्ने की पेराई पूरी कर ली है और साथ ही 23 लाख 43 हजार क्विंटल चीनी का उत्पादन किया गया है। चीनी सीजन 2023-24 के लिए लाइसेंस प्राप्त करने के लिए 217 चीनी मिलों ने चीनी आयुक्तालय को प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। जिनमें से उन्हीं चीनी मिलों को गन्ना पेराई के लाइसेंस वितरित किये गये हैं, जिन्होंने गन्ना निगम की कटौती राशि के साथ एफआरपी एवं अन्य धनराशि की पूर्ति कर ली है। सोमवार (13 नवंबर) तक, आयुक्तालय ने 80 सहकारी और 92 निजी सहित कुल 172 चीनी मिलों को इस वर्ष के गन्ना पेराई लाइसेंस ऑनलाइन वितरित किए है। राज्य सरकार ने जननेता गोपीनाथ मुंडे गन्ना श्रमिक निगम की बकाया राशि 17 रुपये प्रति टन की दर से चार चरणों में वसूलने को मंजूरी दे दी है। अतः मिलों ने यह राशि तुरंत चुका दी और गन्ना पेराई का लाइसेंस लेने के लिए दौड़ पड़े और लाइसेंस की संख्या बढ़ गई। चीनी आयुक्त डॉ. चंद्रकांत पुलकुंडवार ने 'चीनीमंडी' को बताया कहा कि, वर्तमान में केवल 45 मिलों को लाइसेंस दिया जाना बाकी है।

मुंबई में एनसीपी नेता जयंत पाटिल को हुआ डेंगू, डॉक्टर ने दी आराम करने की सलाह

मुंबई : महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता जयंत पाटिल ने कहा है कि उनमें डेंगू की पुष्टि हुई है और उन्हें आराम करने की सलाह दी गई है। जयंत पाटिल शरद पवार की अध्यक्षता वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) गुट के प्रदेश अध्यक्ष हैं। उन्होंने मंगलवार को 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि उन्हें वायरल बुखार हुआ है। पाटिल ने कहा कि उन्हें सोमवार से बुखार था और डॉक्टर के सलाह पर उन्होंने डेंगू का टेस्ट कराया है। पाटिल ने कहा, ''डेंगू टेस्ट में रिमार्क्स नेगेटिव था। कुछ दिन आराम करने के बाद मैं अपनी दिनचर्या में वापस आ जाऊंगा।'' उपमुख्यमंत्री अजीत पवार को भी हाल ही में डेंगू का पता चला था। वह शरद पवार द्वारा स्थापित पार्टी से अलग हो गए और राज्य सरकार का हिस्सा बनने के लिए जुलाई में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में शामिल हो गए।

दि मलाड सहकारी बैंक ने एक और डिजिटल सेवा प्रदान की

मुंबई : दि मलाड सहकारी बैंक ने अपने ग्राहकों को क्यू आर कोड द्वारा एक और डिजिटल सेवा प्रदान की। बैंक के ऑफिस में हुए एक विशेष समारोह में इस डिजिटल सेवा प्रणाली का उदघाटन मुंबई महानगरपालिका की जोन सात की डेप्युटी म्युनिसिपल कमिशनर भाग्यश्री कापसेजी के कर कमलों द्वारा हुआ। इस अवसर पर बैंक के अध्यक्ष तथा भाजपा के नगरसेवक और महानगरपालिका के गटनेता विनोद मिश्रा तथा बैंक के उपाध्यक्ष हुकूमसिंह, वरिष्ठ संचालक शरद साठे, प्रतिमा रांभिया और अन्य संचालक, बैंक के सीईओ दीपक कुलकर्णी और अन्य कर्मचारी तथा बैंक के ग्राहक उपस्थित थे। बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए क्यू आर कोड यह डिजिटल सेवा प्रणाली प्रदान की है, जिस के कारण बैंक के ग्राहक कैशलैस ट्रांजेक्शन कर सकते हैं। इस अवसर बैंक के अध्यक्ष विनोदजी मिश्रा ने बैंक की प्रगति तथा ग्राहकों को दी जाने वाली आधुनिक सेवा के बारे में सभी उपस्थित लोगों को अवगत कराया।

शहर में तीन दिनों से नहीं उठा कचरा

भिवंडी : भिवंडी शहर महानगर का अजीबोगरीब कारनामा उजागर हुआ है। दिवाली के तीन दिन पहले ही शहर से कचरा उठना बंद हो गया है। शहर की मुख्य सड़कें व गलियों में लगे कचरे की ढेर से बदबू निकल रही है। आसपास से गुजरने वाले लोग नाक पर कपड़ा रखकर गुजरने के लिए मजबूर है। पालिका में बैठे उच्च अधिकारी सहित खुद मुखिया, ठेकेदारों से दिवाली की वसूली में व्यस्त है। ऐसे अधिकारी दूसरे शहरों के पोश इलाके में रहने के कारण भिवंडी के नागरिकों से कुछ लेना-देना नहीं है। जहां पालिका मुख्यालय में भष्ट्राचार चरम स्तर पर है वही पर पालिका के मुखिया, प्रशासक अजय वैद्य रिश्वतखोर, गैर इरादतन हत्या के आरोपी व ठेका पद्धति से काम करने वाले कर्मचारियों पर मेहरबान है।शहर के कचरा पाइंटो पर लगे ढेर अब बजबजाना शुरू कर दिया । जिसमें मक्खियाँ भनभना रही है। इसकी बदबू से आस पास के रहने वाले परेशान है। लोग अब कचरे के ढेर में आग लगाना शुरू कर कर दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इंदौर में रोड शो के बाद कराई सफाई !

कुछ ही घंटों में सड़क को किया गया चकाचक साफ, नहीं दिखा फूल का एक भी तिनका

इंदौर : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार (14 नंवबर) यानी बीते दिन इंदौर में रोड शो किया था. इस दौरान बड़ा गणपति से लेकर राजवाड़ा तक रोड शो में काफी लोगों की भीड़ नजर आई. इस रोड शो के बाद पीएम मोदी ने बीजेपी कार्यकताओं से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा था कि इस जगह को कार्यक्रम के बाद जल्द से जल्द साफ कराया जाए. पीएम मोदी के आदेश के बाद रोड शो के कुछ ही घंटे बाद पूरे हिस्से की सफाई कराई गई थी. बीते दिन शाम को सवा छह बजे बड़ा गणपति से जैसे ही मोदी खुली जीप में सवार हुए लोगों ने जय श्रीराम के नारे लगाने शुरू कर दिए. लोगों की इतनी भीड़ की वजह से काफी गंदगी भी हुई थी.

पीएम मोदी पर हुई थी फूलों की बरसात

रोड शो के दौरान लोगों की भीड़ ने पीएम मोदी पर फूलों की बरसात भी की थी. सड़क पर कार्यक्रम के बाद कोई गंदगी न रह जाए इसलिए ही पीएम मोदी ने सभी कार्यकताओं से सफाई कराने की बात कही थी. रोड शो के दौरान सड़क के बीचोंबीच बनाए गए गलियारे के दोनों तरफ बड़ी संख्या में लोग खड़े थे. घरों की छतों पर भी बड़ी संख्या में जमा थे. बता दें कि, मोदी का मेगा रोड शो बड़ा गणपति से शुरू होकर करीब 55 मिनट में 1.6 किमी की दूरी तय कर राजवाड़ा पहुंचा था. यहां मोदी ने देवी अहिल्या बाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया था. रोड शो के मार्ग के दोनों ओर केसरिया कपड़ा लगाकर भगवा कारिडोर बनाया गया था.

सहारा प्रमुख सुब्रत रॉय का निधन... मुंबई के अस्पताल में ली आखिरी सांस

मुंबईः सहारा ग्रुप के प्रमुख सुब्रत रॉय का मंगलवार को दिल का दौरा पड़ने से 75 वर्ष की आयु में निधन हो गया। रॉय ने खुदरा, रियल एस्टेट और वित्तीय सेवा क्षेत्रों में एक विशाल व्यापारिक साम्राज्य खड़ा किया। कंपनी ने इस बारे में बयान जारी कर कहा कि उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद रविवार को उन्हें मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बयान के मुताबिक, हाई ब्लड प्रेशर, मधुमेह सहित विभिन्न बीमारियों से लंबे समय से जूझ रहे सुब्रत रॉय का दिल का दौरा पड़ने के कारण रात साढ़े 10 बजे निधन हो गया।

सहारा इंडिया परिवार ने जारी किया शोक संदेश

सहारा इंडिया परिवार ने शोक संदेश में लिखा है कि अत्यंत दुख के साथ सहारा इंडिया परिवार हमारे माननीय 'सहाराश्री' सुब्रत रॉय सहारा, प्रबंध कार्यकर्ता और अध्यक्ष, सहारा इंडिया परिवार के निधन की सूचना दे रहा है। सहाराश्री जी एक प्रेरणादायक नेता और दूरदर्शी थे, मेटास्टैटिक घातकता, उच्च रक्तचाप और मधुमेह से उत्पन्न जटिलताओं के साथ एक लंबी लड़ाई के बाद कार्डियोरेस्पिरेटरी अरेस्ट के कारण 14 नवंबर 2023 को रात 10.30 बजे उनका निधन हो गया। स्वास्थ्य में गिरावट के बाद उन्हें 12 नवंबर, 2023 को कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल और मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (केडीएएच) में भर्ती कराया गया था।

उनकी क्षति पूरे सहारा इंडिया परिवार को गहराई से महसूस होगी। सहाराश्री जी उन सभी के लिए एक मार्गदर्शक शक्ति, मार्गदर्शक और प्रेरणा के स्रोत थे जिन्हें उनके साथ काम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। अंतिम

10 लाख कीमत का गुटखा बरामद आरोपी गिरफ्तार

ठाणे : मुंब्रा पुलिस ने छापा मारकर 10 लाख कीमत की गुटखा बरामद किया है। पुलिस ने भिवंडी निवासी सलमान अली को गिरफ्तार कर लिया है और जिस टेंपो में गुटखा रखा गया था, उसे पुलिस ने जप्त कर लिया है।

मुंब्रा पुलिस को कौसा स्थित बंद टोल नाके के पर राज्य सरकार द्वारा प्रतिबंधित गुटखा की तस्करी किए जाते की सूचना मिली थी। इस सूचना के आधार पर सहायक पुलिस निरीक्षक कोरडे तथा पुलिस सिपाही येडके की टीम ने जाल बिछाकर टेंपो क्र एम एच 04/ के यू 4508 को रोका और जब उसकी तलाशी ली तो उसमे प्रीमियम नजर 9000 ब्रांड का गुटखा भरा हुआ था। जिसकी कीमत 10 लाख 4800 रुपए बताई जा रही है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : गुरुवार 16 नवंबर 2023

महाराष्ट्र में मां कामाख्या के मंदिर निर्माण के लिए बनी सहमति...

मुंबई : महाराष्ट्र में कामाख्या मंदिर के निर्माण को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कामाख्या मंदिर के निर्माण के लिए जमीन उपलब्ध कराने पर सहमति दी। पत्रकारों से बातचीत में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व ने कहा, मंदिर के साथ-साथ वैष्णवों के लिए पूजा स्थल, नामघर बनाने की योजना पर विचार कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर एक बैठक का वीडियो पोस्ट करते हुए असम के सीएम हिमंत बिस्व ने कहा, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री मां कामाख्या के बहुत बड़े भक्त हैं। हम महाराष्ट्र में मां कामाख्या का मंदिर बनाना चाहते है। जिसको लेकर मुख्यमंत्री शिंदे से बात चल रही है। असम के मुख्यमंत्री सरमा ने कहा, जब सीएम शिंदे पिछली बार असम गए थे, तो उनसे महाराष्ट्र में कामाख्या मंदिर और नामघर के निर्माण के लिए जमीन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था।

महाराष्ट्र में माँ कामाख्या का भव्य मंदिर बनेगा।

उन्होंने कहा, उन्होंने कहा, सीएम शिंदे ने मुझे जमीन की पेशकश के मामले पर चर्चा करने के लिए मुंबई बुलाया था। मुझे अभी तक जाने का समय नहीं मिला है। मैं जब भी जाऊंगा, इस चर्चा को आगे बढ़ाऊंगा। असम के सीएम सरमा ने कहा, मैंने उनके चेहरे पर मां के प्रति गहरी आस्था देखी है। मैंने उनसे कहा कि वह आते रहें क्योंकि बेटे और मां के बीच का रिश्ता मजबूत होगा। बता दें ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर नीलाचल पहाड़ी के ऊपर कामाख्या मंदिर देश के सबसे बड़े और सबसे पुराने शक्तिपीठों में से एक है। देवी कामाख्या का यह मंदिर तांत्रिक उपासकों और हिंदुओं के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है।वहीं असम के सीएम ने पत्रकारों को यह भी बताया कि राज्य सरकार काशी-विश्वनाथ कॉरिडोर की तरह 600 करोड़ रुपये में कामाख्या कॉरिडोर विकसित कर रही है।

बीड हिंसा पर निर्दोष मराठों को निशाना बना रही पुलिस

महाराष्ट्र : मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जारांगे ने महाराष्ट्र पुलिस पर नाइंसाफी के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बीड में हुई हिंसा के मामले में निर्दोष मराठों को फंसाया जा रहा है। मंगलवार जालना में पत्रकारों से बात करते हुए जारांगे ने आरोप लगाया कि जिन मराठों का बीड में हिंसा से कोई लेना-देना नहीं है, उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी देने के अंदाज में कहा, अगर अन्याय जारी रहा तो समुदाय सड़कों पर उतरेगा।

महाराष्ट्र के जालना जिले में अपने पैतृक गांव अंतरवाली सरती पहुंचे जारांगे ने कहा, ''हमने समयबद्ध कार्यक्रम और मराठों को (कुनबी जाति) प्रमाणपत्रों के वितरण के बारे में सरकार के साथ बातचीत की है। हमने राज्य के विभिन्न हिस्सों में हमारे लोगों के साथ हो रहे अन्याय के बारे में भी बात की है। समुदाय शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन कर रहा है, लेकिन उन्हें परेशान किया जा रहा है। निर्दोष लोगों को पुलिस ले जा रही है।

बता दें कि मराठा आरक्षण के लिए अपनी दूसरी भूख हड़ताल के बाद जारांगे 10 दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहे। अस्पताल में सेहत की निगरानी के बाद कार्यकर्ता मनोज जारांगे को रविवार को छुट्टी दे दी गई। जारांगे ने आरोप लगाया कि जिन लोगों का बीड में मराठा आरक्षण आंदोलन के दौरान हुई हिंसा से कोई लेना-देना नहीं था, उन्हें परेशान किया जा रहा है। अधिकारियों ने हिंसा में भाग लेने के आरोपी के तौर पर 7,000 लोगों की सूची बनाई है।

उन्होंने कहा, ''आंदोलन को दबाने के लिए चाहे कितना भी दबाव हो, हम नहीं रुकेंगे। अगर लोगों के साथ अन्याय हुआ तो बीड में मराठा समुदाय सड़कों पर उतरेगा। हम शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन करेंगे लेकिन हमारे साथ हो रहे अन्याय को रोकेंगे।'' जारांगे ने कहा, ''हम 24 दिसंबर तक राज्य सरकार को परेशान नहीं करेंगे। लेकिन हम उसे आगामी शीतकालीन सत्र के बारे में याद दिला रहे हैं। उनके पास आरक्षण के बारे में निर्णय लेने का अवसर है। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो वे एक विशेष सत्र आयोजित कर सकते हैं।'' उन्होंने आगाह किया कि यदि मराठा आरक्षण के लिए जरूरी नियम कानून बनाने में और देरी हुई तो आंदोलन करेंगे।

बता दें कि इस महीने की शुरूआत में आंदोलन के दौरान बीड शहर और जिले में कुछ जन प्रतिनिधियों के घरों में आग लगा दी गई थी। मराठा आरक्षण मुद्दे को हल करने के लिए जारांगे की तरफ से सरकार के लिए 24 दिसंबर की समय सीमा तय की गई है। उन्होंने कहा है कि कार्यकर्ता 15 से 25 नवंबर तक राज्य का दौरा करेंगे।

भिवंडी में धागे के गोदाम में लगी आग, जान-माल का कोई नुकसान नहीं

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी क्षेत्र में मंगलवार की रात आग लगने की घटना सामने आई है. जानकारी के मुताबिक, ये आग धागे के गोदाम में लगी है. किसी के हताहत होने की खबर नहीं है लेकिन बताया जा रहा है कि लाखों का सामान जलकर खाक हो गया है. अधिकारी ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल के दो कर्मी मौके पर पहुंचे. आग पर काबू पा लिया गया है.

प्रदूषण फैला रहे 100 वाहनों पर वाशी ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई

नवी मुंबई : पिछले कुछ दिनों से ग्रेटर मुंबई क्षेत्र के सभी शहरों में वायु प्रदूषण बढ़ गया है, सरकार के निदेशानुसार हर शहर में नगर निगम द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। अब नवी मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने भी शनिवार को पूरे दिन प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर नकेल कसने के लिए अभियान चलाया. इसके मुताबिक दोपहर तक 65 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। वरिष्ठ यातायात निरीक्षक सतीश कदम ने बताया कि शाम तक यह संख्या 100 हो गई है। कदम ने कहा कि वाशी टोल नाका पर सुबह शुरू हुए ऑपरेशन में वरिष्ठ निरीक्षकों और आठ पुलिस कर्मियों के साथ सहायक निरीक्षकों से भाग लिया।

पुलिस बताकर दिन दहाड़े पौने दो लाख रुपए के आभूषण की ठगी...

ठाणे : खुद को पुलिस वाला बताकर एक आभूषण व्यवसाई से पौने दो लाख रुपए की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है।

कलवा पुलिस ने इस संबंध में दो आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। मिली जानकारी के मुताबिक मुलुंड निवासी हरेश ठाकरसी ठक्कर अपने स्कूटर से नासिक मुबई हाइवे से जा रहे थे। कलवा के खारे गांव टोल नाके के पास दो अपरिचित लोगों ने खुद को पुलिस वाला बताकर दोपहर के करीब बारह बजे उनका रास्ता रोक लिया और उनके पास रखा एक लाख 89 हजार का आभूषण ले लिया और जांच पड़ताल करने के बहाने आभूषण उन्हे वापस कर दिया। बाद में उन्हें पता चला कि जो आभूषण पुलिस वालों ने वापस किया है, वह नकली है। कलवा पुलिस ने दो अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध भा.द.वि. की धारा 420, 170,34 के तहत मामला दर्ज किया है।

बांग्लादेशी नोट से पहचान के बाद आरोपी गिरफ्तार

मुंबई : नौकारी की तलाश में मुंबई पहुंचे दो बांग्लादेशियों को कालाचौकी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिन दो बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया गया है वो अवैध तरीके से भारत में राह रहे थे। 10 नवंबर को अवैध तरीके से मुंबई पहुंचे थे और नौकरी की तलाश में थे। इससे पहले कि कहीं अपनी पहचान छिपाकर रहते पुलिस ने उनलोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी बांग्लादेश से छिपकर भारत में आये और फिर पश्चिम बंगाल से ट्रेन से आरोपी मुंबई पहुंचे थे। लेकिन पुलिस को बांग्लादेशियों के यहां होने की जानकारी मिल गई थी। जैसे ही पुलिस को आरोपी दिखा दोनों को हिरासत में ले लिया गया।

ठाणे में दो मोटरसाइकिल सवारों ने महिला की 1.8 लाख रुपये की सोने की दो चेन छीनी

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने 75 वर्षीय एक महिला की 1.8 लाख रुपये मूल्य की सोने की चेन छीन ली। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। भिवंडी सिटी पुलिस थाने के प्रभारी ने बताया कि यह घटना मंगलवार को सुबह उस वक्त हुई जब महिला और उसके दो रिश्तेदार (करीब 60 वर्ष) इलाके में मुरलीधर मंदिर के दर्शन के लिए एक ऑटो लेने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने शिकायत के हवाले से बताया कि दो आदमी मोटरसाइकिल पर आए और पीछे बैठे व्यक्ति ने महिला की 1.8 लाख रुपये मूल्य की सोने की दो चेन छीन ली। दोनों व्यक्ति मोटरसाइकिल की गति तेज कर भाग निकले। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच चल रही है, अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : शॉप नंबर ४ , मदीना मेंशन, ८१ ए, कैडल रोड, अपोजिट बिल्लाबोंग स्कूल, माहिम पश्चिम, मुंबई ४०००१६ , महाराष्ट्र मोबाइल नं 998777 5650 व्हाट्सप्प नं 7977408589: Email-editor@rokthoklekhaninews.com